Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

D – 2005

PAPER – III

HINDI

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

HINDI

हिन्दी

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

नोट : यह प्रश्न पत्र कुल चार (4) खण्डों में विभाजित है। पूरा प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है। परीक्षार्थियों को चारों खण्डों में विभाजित प्रश्नों के उत्तर यथास्थान दिये गये आवश्यक निर्देशों के अनुसार देने हैं।

खण्ड – I

निर्देश : ***निम्नलिखित गद्य-अवतरण के आधार पर अधिकतम तीस (30) शब्दों में अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के पाँच (5) अंक हैं।***

देवियों, मैं उन लोगों में नहीं हूँ, जो कहते हैं, स्त्री और पुरुष में समान शक्तियाँ हैं, समान प्रवृत्तियाँ हैं, और उनमें कोई विभिन्नता नहीं है। इससे भयंकर असत्य की मैं कल्पना नहीं कर सकता। यह वह असत्य है, जो युग-युगान्तरों से संचित अनुभव को उसी तरह ढँक लेना चाहता है, जैसे बादल का एक टुकड़ा सूर्य को ढँक लेता है। मैं आपको सचेत किए देता हूँ कि आप इस जाल में न फँसे। स्त्री पुरुष से उतनी ही श्रेष्ठ है, जितना प्रकाश अँधेरे से। मनुष्य के लिए क्षमा, त्याग और अहिंसा जीवन के उच्चतम आदर्श हैं। नारी इस आदर्श को प्राप्त कर चुकी है। पुरुष धर्म और अध्यात्म और ऋषियों का आश्रय लेकर उस लक्ष्य पर पहुँचने के लिए सदियों से ज़ोर मार रहा है; पर सफल नहीं हो सका। मैं कहता हूँ, उसका सारा अध्यात्म और योग एक तरफ़ और नारियों का त्याग एक तरफ़।

1. स्त्री पुरुष से श्रेष्ठ क्यों है ?

2. क्या उपर्युक्त गद्यांश आज के स्त्रीवादी चिन्तकों की विचारधारा के अनुकूल है?

3. पुरुष अपने लक्ष्य पर पहुँचने में अभी तक असफल क्यों रहा है?

4. लेखक स्त्रियों को पुरुष की समानता न करने के लिए क्यों सचेत कर रहा है?

5. उपर्युक्त गद्यांश का क्या संदेश है?

खण्ड – II

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम तीस (30) शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के पाँच (5) अंक हैं।

6. कथानक रूढ़ि से क्या अभिप्राय है?

7. 'लोकमंगल की साधनावस्था' की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

8. बिहारी के नीतिपरक दोहों का महत्व बताइये।

9. 'अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' कवि से अधिक शिल्पी हैं।' – स्पष्ट कीजिए।

10. छायावाद और रहस्यवाद का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

11. नागार्जुन की कविता में अभिव्यक्त लोक-दृष्टि का परिचय दीजिए।

12. फैंटसी का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

13. आंचलिकता की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

14. ‘नई कहानी’ की प्रमुख विशेषताएँ बताइये।

15. मोहन राकेश की नाट्यभाषा के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

16. निबन्ध और ललित निबन्ध का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

17. 'अंधायुग' के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

18. ‘चन्द्रकान्ता’ उपन्यास के आधार पर ‘तिलस्म’ और ‘ऐयारी’ शब्दों को स्पष्ट कीजिए।

19. ‘रसो वै सः’ का आशय स्पष्ट कीजिए।

20. अरस्तू के विरेचन-सिद्धान्त का क्या तात्पर्य है?

खण्ड – III

निर्देश : निम्नलिखित ***चार वैकल्पिक वर्गों*** में से ***किसी एक वर्ग*** का चुनाव करें और ***उसी वैकल्पिक वर्ग*** के ***पाँचों प्रश्नों*** का उत्तर दें।
इन प्रश्नों के उत्तर अधिकतम दो सौ (200) शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारह (12) अंक हैं।

विकल्प – I : (भक्ति काव्य)

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :

जाति न पूछो साधकी, पूछि लीजिये ज्ञान।
मोल करो तरवारका, पड़ा रहन दो म्यान।।
हस्ती चढ़िए ज्ञानकी, सहज दुलीचा डारि।
स्वान - रूप संसार है, भूँकन दे झक मारि।।

22. कबीर के राम और तुलसी के राम का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

23. जायसी की प्रेम भावना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

24. 'सूरदास बाल मनोविज्ञान के कुशल चितेरे हैं।' - इस कथन पर विचार कीजिए।

25. निर्गुण पंथ और नाथ पंथ की अन्तस्साधना की भिन्नता को स्पष्ट कीजिए।

विकल्प – II (छायावाद)

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :

काँपते हुए किसलय, - झरते पराग - समुदय,
गाते खग नव-जीवन-परिचय,-तरु मलय-वलय,-
ज्योति: -प्रपात स्वर्गीय, -ज्ञान छवि प्रथम स्वीय, -
जानकी-नयन-कमनीय प्रथम कंपन तुरीय।

22. स्वच्छन्दतावाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

23. जयशंकर प्रसाद की सौन्दर्य-चेतना पर प्रकाश डालिए।

24. पन्त की काव्यभाषा पर टिप्पणी लिखिए।

25. 'छायावादी कहे जाने वाले कवियों में महादेवीजी ही रहस्यवाद के भीतर रही हैं।'- आचार्य शुक्ल के इस कथन पर विचार कीजिए।

विकल्प – III (कथा-साहित्य)

21. निम्नलिखित गद्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :

साहित्य का निर्माण, मानो जीवित मृत्यु का आह्वान है। साहित्यकार को निर्माण करके और लाभ भी तो क्या, रचयिता होने का सुख भी नहीं मिलता, क्योंकि काम पूरा होते ही वह देखता है, 'अरे, यह तो वह नहीं है जो मैं बनाना चाहता था, वह मानो क्रियाशीलता का नारद है, उसे कहीं रुकना नहीं है - उसे सर्वत्र भड़काना है, उभारना है, जलाना है, और कभी शान्त नहीं होना है - कहीं रुकना नहीं है।

22. ‘गोदान’ के कथाशिल्प की समीक्षा कीजिए।

23. अज्ञेय की कथा-भाषा पर टिप्पणी लिखिए।

24. ‘बाणभट्ट की आत्मकथा’ के आधार पर द्विवेदी जी की सांस्कृतिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

25. कहानीकार के रूप में जैनेन्द्र की उपलब्धियों पर प्रकाश डालिए।

विकल्प – IV (काव्यशास्त्र और आलोचना)

21. ‘रमणीयार्थः प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्’ - विश्लेषण कीजिए।

22. सहृदय की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

23. आई. ए. रिचर्ड्स के समीक्षा-सिद्धान्तों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

24. ‘कविता के नये प्रतिमान’ के आधार पर नामवर सिंह की आलोचना-दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

25. उत्तर आधुनिकता की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड – IV

निर्देश : निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर अधिकतम एक हजार (1000) शब्दों में निबंध लिखिए। इस प्रश्न के चालीस (40) अंक हैं।

26. (क) भक्तिकालीन काव्य-मूल्यों की प्रासंगिकता;

(ख) छायावादी कवियों की सांस्कृतिक चेतना;

(ग) समकालीन कथा-साहित्य में स्त्री-विमर्श;

(घ) हिन्दी आलोचना के विकास में राम विलास शर्मा का योगदान।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....